स्वदेशी अर्थशास्त्रम्

SWADESHI ARTHSHASTRAM

A FORTNIGHTLY NEWSLETTER 1st to 15th April, 2026

स्वदेशी शोध संस्थान
धर्मस्य मूलं अर्थः

Economics & more...

Special Article

Bharat Jal-Grid for Viksit Bharat 2047: A District-Level Water Network for Drought-Free India by 2040

Prof Dr N Ganga Vidya Independent Director
Solar 91 Cleantech Ltd.
Founder Director Sri Bala Gyanjivi Foundation

India faces a structural water imbalance. The country receives about 4,000 billion cubic meters (BCM) of rainfall annually, but only about 1,123 BCM is usable due to geographic and storage constraints. (cwc.gov.in) At the same time, nearly 600 million people face high water stress, and per capita water availability has fallen below the water-stress threshold.

Read More...

News at a glance...

Rs 10,000 crore Startup India Fund 2.0 operationalised to boost deep tech, manufacturing
Read more...

Lok Sabha strength to be raised from 543 to 850 members
Read more...

Domestic pharma grew at 8.8% in FY26; Torrent, Cipla surge ahead in the Rs 2.46 lakh crore market
Read more...

Banks seek relief from RBI: New forex cap sparks fear of $30 bn unwind
Read more...

NBFCs set for a strong Q4 with 13% AUM growth
Read more...

Partial credit guarantee soon for Rs 5 lakh crore infra projects
Read more...

Retail inflation rises to 3.4% in March; RBI assessment holds, say analysts
Read more...

E-way bills hit record 140.6 million in March
Read more...

Research Article

Strengthening Regional Security: India's Defence Diplomacy in the Indo-Pacific

By Leena, Ranit, and Swati.

Despite the push for Atmanirbhar Bharat, India's 2026 decision to relax Press Note 3 specifically for investments from China has sparked debate about whether the country is rearranging its economic priorities. What appears at first glance to be a policy softening is, in reality, a more nuanced shift. This article examines how the military shapes Indian power in peacetime in ways that don't cause conflict or coercion ....

Read More...

More Updates

Household financial debt jumps to 6.2% of GDP
Read more...

Centre tweaks iron ore pricing to unlock low-grade reserves, aid steel sector
Read more...

Russian oil import triples in March to 5.3 billion euros as sanctions ease
Read more...

Labour ministry signs MoUs with Porter and Gigin to expand job opportunities
Read more...

सफलता की कहानी

श्री यश देव सिंह - जे.के केमिकल एंड पैंट्स : एक गॉडफादर ने बदल दी जिंदगी।

1976 में जम्मू में जन्मे यश देव सिंह ने अपनी बैचलर्स इन बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन की पढ़ाई के दौरान ही अपने रोजमर्रा के खर्चे पूरे करने के लिए एक पेजर कंपनी में सेल्स एग्जीक्यूटिव की नौकरी कर ली। उनके पास कोई स्कूटर या मोटरसाइकिल नहीं थी। वह कॉलेज खत्म होने के पश्चात पैदल ही बाजार में जाकर पेजर बेचते। एक पेजर बेचने पर उन्हें दो सो रुपए की कमीशन मिला करती थी। उनके पिताजी एवं उनके पिताजी के दोनों भाई आर्मी में थे। घर में सदैव से ही नौकरी का प्रचलन था वह बताते हैं की एक बार पेजर बेचते बेचते उनकी उनके गॉडफादर श्रीमान भगत सिंह मनहर जी से मुलाकात हो गई। मनहार जी को जब वह पेजर बेचने के लिए उनके ऑफिस में पहुंचे तो वहांवह उनसे अत्यंत ही प्रभावित हुए और उन्हें अपनी कंपनी में नौकरी देने की बात कही।

परंतु यश जी ने पेजर कंपनी दो ही महीने पहले ज्वाइन करी थी जिसे वह इस तरह से छोड़ना नहीं चाहते थे। कुछ समय पश्चात उनकी जब दोबारा भगत सिंह जी से मुलाकात हुई तो उन्होंने उन्हें बताया कि उनके पास एक जम्मू में ही दुकान है जिसमें वह छोटा-मोटा व्यापार शुरू कर सकते हैं। उन्होंने उन्हे दुकान पर केमिकल्स एवं सफाई के सामानों के व्यापार करने के लिए बाजार से सामान भी लेकर भी दिया। अब वह कॉलेज के पश्चात घर आकर अपने पिताजी का स्कूटर लेकर बाजार जाकर केमिकल्स एवं साफाई के लिए उपयुक्त सामान बेचा करते थे। उनका काम चल निकला। अब वह और मेहनत करने लगे एवं हर वक्त सोचा करते थे कि किस तरह से अपने व्यापार को और आगे बढ़ाया जा सकता है। इसी दौरान उन्हें बी.एस.एन.एल के टावर लगाने का काटेक्ट का कार्य भी मिल गया। वह बताते हैं कि जो कार्य दूसरे ठेकेदार तीस दिनों में करा करते थे वह इस कार्य को दिन रात की शिफ्ट लगाकर आठ दिनों में खत्म कर दिया करते थे। जिससे सरकारी अफसर भी उनसे बहुत प्रभावित रहते। दस साल तरक्की करते-करते उन्होंने थोड़ा पैसा जोड़ा एवं कुछ बैंक से लोन लेकर 2012 में अपनी केमिकल एंड पेंट्स की सांबा जिले जम्मू में जे के केमिकल एंड पेंट्स नामक फैक्ट्री लगा ली। आज वह इस फैक्ट्री से सालाना छह से सात करोड़ के टर्नओवर का व्यापार कर रहे हैं एवं करीब बीस लोगों को रोजगार प्रदान कर रहे हैं। उनका मानना है कि जिस तरह एक गॉडफादर ने आकर उनका जीवन बदल दिया, इसी तरह उन्हें भी कई युवाओं के जीवन में गॉडफादर बनकर उनकी मदद करनी चाहिए और को उनका व्यापार खुलवा कर देने में एवं चलाने में भरपूर सहयोग करते हैं।

SSS EVENT

Empowering Girls Through Research: A Milestone Achieved

We are proud to share the success of the Research Presentation session held on April 4 & 11, 2026, at Swadeshi Shodh Sansthan.

As of today, 30+ students have participated in the internship, showcasing insightful research on the Swadeshi economic model and national self-reliance. It was truly inspiring to witness these young minds bridging the gap between academic theory and grassroots realities.

स्वदेशी विचार

The Swadeshi movement is not against any nation, it is for the regeneration of our own.

~ Aurobindo Ghosh

Our Social Media:

Editorial Board

Chief Editor : Prof. Raj K Mittal
Editor : Prof. Sunita Bharatwal
Co-Editor : Dr. Amit Kumar
Section Editor : Ms. Urshita Bansal
Technical & Design : Mr. Naman Kashyap